ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–44
दिनांकः मंगलवार, 9 जून, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.5 एवं 24.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.3 एवं दोपहर में 39.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 19.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(10–14 जून 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 10 जून से 14 जून, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के अधिकांश समय आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। 11 से 13 जून के आस–पास वर्षा के समय मेघगर्जन तथा तेज झोंकेदार हवाएँ चलने की संभावना है। विशेष रूप से 11 से 13 जून के दौरान ऐसी मौसमीय गतिविधियों की अधिक संभावना है। गोपालगंज, मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण जिलों में 11–12 जून को 65–70 मिमी तक भारी वर्षा होने की आशंका है। अन्य जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35 से 39°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से लगभग 2–3°C अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 25 से 28°C के बीच रह सकता है।
- सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 70–75 प्रतिशत तथा दोपहर में सापेक्ष आर्द्रता 20–25 प्रतिशत रहने की संभावना है। हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 15–19 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती है।

समसामयिक सुझाव

- वर्तमान मौसम परिस्थितियाँ खरीफ मक्का की बुआई के लिए अनुकूल हैं। किसान भाई खेत की तैयारी एवं बुआई का कार्य समय पर पूरा करें। अंतिम जुताई के समय 100–150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। उत्तर बिहार के लिए *शक्तिमान–2*, *शक्तिमान–5*, *शक्तिमान–6* तथा *राजेन्द्र शंकर मक्का–3* किस्मों की बुआई करने की सलाह दी जाती है।
- धान की मध्यम अवधि वाली किस्में जैसे *संतोष, सीता, सरोज, सहभागी धान* तथा *राजेन्द्र श्वेता* एवं सुगंधित किस्में जैसे *राजेन्द्र सुवासिनी, राजेन्द्र कस्तूरी* तथा *राजेन्द्र भगवती* की नर्सरी में बुवाई के लिए उपयुक्त समय आ गया है और इसकी बुआई 25 जून तक की जा सकती है।
- किसान भाइयों को हरी खाद हेतु ढैंचा की बुआई करने की सलाह दी जाती है। इससे मिट्टी की उर्वरता, जैविक पदार्थ की मात्रा तथा पोषक तत्वों की उपलब्धता में वृद्धि होती है। ढैंचा से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इसकी बुआई 20–25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से करें। बुआई के 40–45 दिन बाद ढैंचा की फसल को खेत में पलटकर मिट्टी में मिला दें। इसके बाद खेत को लगभग दो दिनों तक छोड़ दें। तत्पश्चात उसी खेत में धान की रोपाई करें। धान के लिए अनुशंसित फॉस्फोरस की पूरी मात्रा ढैंचा की फसल में ही प्रयोग करें। ढैंचा से लगभग 20–32 टन प्रति हेक्टेयर हरित जैवभार प्राप्त होता है, जिससे मिट्टी में लगभग 70–75 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की पूर्ति होती है।
- खरीफ तिल की बुआई का उपयुक्त समय आ गया है। तिल की बुआई मध्य जून से मध्य जुलाई तक की जा सकती है और इस की बुआई ऊँची एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन का चयन करें, क्योंकि फसल जलभराव को सहन नहीं करती है। बुआई से पूर्व बीजों को 2 ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छी वृद्धि एवं अधिक उत्पादन के लिए बीजों की बुआई 30 सेमी × 10–15 सेमी की दूरी बनाए रखते हुए करें। खेत की तैयारी के समय 60 क्विंटल कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर बुआई से 20–30 दिन पूर्व मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें। इसके अतिरिक्त 40 किलोग्राम नत्रजन, 20 किलोग्राम स्फुर तथा 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा अंतिम जुताई के समय दें, जबकि नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुआई के 30 दिन बाद कतारों के बीच उपरिवेशन (टॉप ड्रेसिंग) के रूप में प्रयोग करें। अनुशंसित किस्मों में *कृष्णा, कालिका* एवं *कांके सफेद* प्रमुख हैं।
- किसान भाई भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ, लौकी आदि ग्रीष्मकालीन सब्जी की निकाई–गुड़ाई एवं फसल सुरक्षा पर ध्यान रखें। बरसाती सब्जी अवश्य लगावें। बीजस्थली में *एग्री फाउंड डार्क रेड* किस्म की प्याज की नर्सरी ऊँची क्यारियों पर तैयार करें। वर्षा की स्थिति में नर्सरी को जल से सुरक्षित रखने के लिए लगभग 1.5 मीटर ऊँचाई पर पॉलीथीन शीट से ढकने की व्यवस्था करें। बीज दर 8–10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। वर्षा प्रारम्भ होते ही लम्बी अवधि के तैयार बिचड़ों की रोपनी शुरू करें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी